विषय-सूची

क्रम संख्या	पाठ	पृष्ठ संख्या
1.	फैलती चप्पलें	1
2.	उलटा-पुलटा	6
3.	अनोखा ढंग	10
4.	मित्रता	16
5.	*सेर को सवा सेर	23
6.	पहली बारिश	25
7.	दादी का रेडियो	31
8.	किस्से-कहावतों की दुनिया	36
9.	*नानी की नाव चली	43
10.	एक बौना और लकड़हारा	46
11.	मौसम	52
12.	*आँख-मिचौनी	57
13.	चतुर चित्रकार	59
14.	एक थी स्वाति	63
15.	होली के रंग हज़ार	68
16.	ऐसे भी बच्चे	75
17.	कोयल	81
18.	*खत पहुँचे सक्को को	86

* केवल पढ़ने के लिए हैं। परीक्षा में इनमें से सवाल नहीं पूछे जाएँगे।

1 फैलती चप्पलें

जूतों की दुकान पर जाते समय रास्ते में–

घर लौटने पर–

दादी माँ! ये लीजिए आपकी प्लास्टिक की नई चप्पलें।
जीता रह, सुप्पंदी। ला, पहनकर तो देखूँ।

अरे बेटा... ये तो छोटी? हैं...! दुकान से बदलवाकर दूसरी जोड़ी ले आ।
इससे भी बढ़िया तरकीब सूझी।

इस तवे पर तपा लेता हूँ। अपने आप बड़ी हो जाएँगी।

छि स स
छि स स

थोड़ी देर बाद...

—पी. भारती/अनंत पै की कहानी पर आधारित

शब्दार्थ: गायब—खो जाना

अभ्यास

कहानी में से

1. दादी माँ ने सुप्पंदी को क्या लाने के लिए कहा?
2. दादी माँ ने चप्पलों को बदलवाने के लिए क्यों कहा?
3. सुप्पंदी के मन में ऐसा विचार क्यों आया कि छोटी चप्पलों को गरम करने पर वे बड़ी हो जाएँगी?

बातचीत के लिए

1. जूतों की दुकान पर जाते हुए सुप्पंदी ने क्या बात सीखी?
2. दादी माँ ने सुप्पंदी को कितने पैसे दिए होंगे?
3. अगर चप्पलें चमड़े की होतीं तो क्या होता?
4. किसी ऐसी घटना का वर्णन कीजिए जब आप अपने दादा-दादी के लिए कुछ लाए हों और उन्होंने आपकी बहुत प्रशंसा की हो।

ज़रा सोचिए

नीचे दी गई चीज़ों में से जो चीज़ें गरम होने पर अपना आकार बदल सकती हैं, उन पर सही (✓) का निशान लगाइए–

(क) रेशमी साड़ी	☐	(घ) पत्थर	☐
(ख) प्लास्टिक की तार	☐	(ङ) आइसक्रीम	☐
(ग) मक्खन	☐	(च) लोहे का बक्सा	☐

भाषा की बात

1. 'दुकान' शब्द में एक शब्द छिपा है– 'कान'। बताइए, इनमें कौन-से शब्द छिपे हैं–

गायब	छिपकली	गिलहरी	निहारना	सबक
....	....	....	....	....

2. शब्द लड़ी बनाइए—

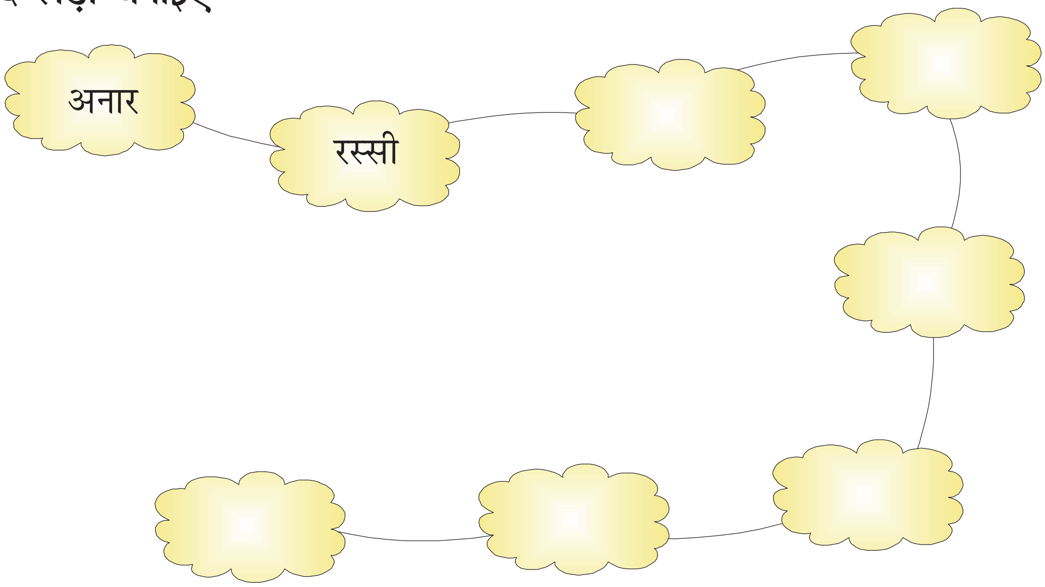

3. नीचे दिए गए शब्दों में से संज्ञा शब्दों पर घेरा लगाइए—

प्लास्टिक अच्छा दादी पटरी नई

जीवन मूल्य

1. ''दादी माँ, ये लीजिए आपकी प्लास्टिक की नई चप्पलें।''
   - सुप्पंदी अपनी दादी के लिए नई चप्पलें लाया, क्यों?
   - आप अपने दादा-दादी की मदद किस प्रकार करते हैं?
2. ''जीता रह, सुप्पंदी।''
   - दादी के इस कथन में उनकी कौन-सी भावना छिपी है?
   - इस संवाद के आधार पर क्या आप कह सकते हैं कर भला तो हो भला।

कुछ करने के लिए

अपनी दादी माँ के लिए काग़ज़ का एक सुंदर बैग बनाइए।

2 उलटा-पुलटा

चलते-चलते निचली छत से
गिरती जब छिपकली छपाक,
तुरंत सँभल जाती उस **क्षण** ही
उठ चल देती अपने आप।

ऊपर की डाली से बंदर
जब आ गिरता है नीचे,
झटपट पकड़ दूसरी डाली
हँसता है आँखें मींचे।

तिलचट्टे, चींटे जब चलते
एकाएक पलट जाते हैं,
झटक हाथ-पैरों को अपने
फिर सीधे हो चल पाते हैं।

चींटी गिरती, मकड़े गिरते
गिरगिट गिरते और सँभलते,
गिरने पर वे साहस खोकर
कभी न अपनी आँखें मलते।

गिरने और पिछड़ने पर
जो हिम्मत खोते, पछताते हैं।
धूल झाड़ जो तुरंत सँभलते
वे जीवन में सुख पाते हैं।

—भगवती प्रसाद द्विवेदी

शब्दार्थः क्षण—पल, **झटपट**—एकदम

अभ्यास

कविता में से

1. गिरगिट और मकड़ी गिरने के बाद क्या करते हैं?
2. कैसे व्यक्ति पछताते हैं?
3. कौन-से व्यक्ति सुख पाते हैं?
4. गिरने पर हिम्मत क्यों नहीं हारनी चाहिए?

बातचीत के लिए

1. बंदर आँख मींचकर हँसता है। आप भी कभी-कभी आँख मींचकर हँसते हैं। क्यों?
2. चींटी, मकड़े छिपकली आदि कैसे गिर जाते होंगे?
3. बताइए, ये हमारे घरों में कहाँ मिलते हैं–

   मकड़ी चींटियाँ छिपकली तिलचट्टे
4. आप कब-कब हिम्मत खोने लगते हैं? उस समय आपकी मदद कौन करता है और कैसे करता है?
5. कवि ने इस कविता को 'उलटा-पुलटा' नाम क्यों दिया होगा? आप भी कोई शीर्षक बताइए।

आपकी कल्पना

अगर आपके पूरे घर में छिपकली, चीटें और तिलचट्टे आ जाएँ तो क्या होगा?

भाषा की बात

1. नीचे दिए गए शब्दों में सही जगह पर (ं) या (ँ) लगाइए–

चीटी आख बदर हसता

2. समान तुक वाले शब्द लिखिए–

(क) डाली ...माली... ...जाली... ...काली...

(ख) चल ....

(ग) झटक ....

(घ) जब ....

3. **कविता में जो-जो भी जीव-जंतु आए हैं, उनमें से किसी एक पर कविता बनाइए–**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

4. **छिपकली छत से गिर जाती है। गिरने पर छिपकली ने क्या कहा होगा? उसकी माँ ने उसे क्या समझाया होगा? छिपकली और उसकी माँ के बीच का संवाद लिखिए–**

छिपकली – ....

माँ – ....

छिपकली – ....

माँ – ....

छिपकली – ....

माँ – ....

छिपकली – ....

माँ – ....

छिपकली – ....

माँ – ....

जीवन मूल्य

1. मान लीजिए कि आप पिकनिक पर जा रहे हैं और आप देखते हैं कि नेत्रहीन व्यक्ति को सड़क पार करने में मुश्किल आ रही है। ऐसी परिस्थिति में आप क्या करेंगे?
2. जीवन में आई कठिनाइयों से न घबराकर बंदर, गिरगिट, चींटे, छिपकली आदि सब आगे बढ़ते हैं, क्योंकि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
   - क्या आप इस बात से सहमत हैं? क्यों/क्यों नहीं? बताइए।

कुछ करने के लिए

रंग भरिए–

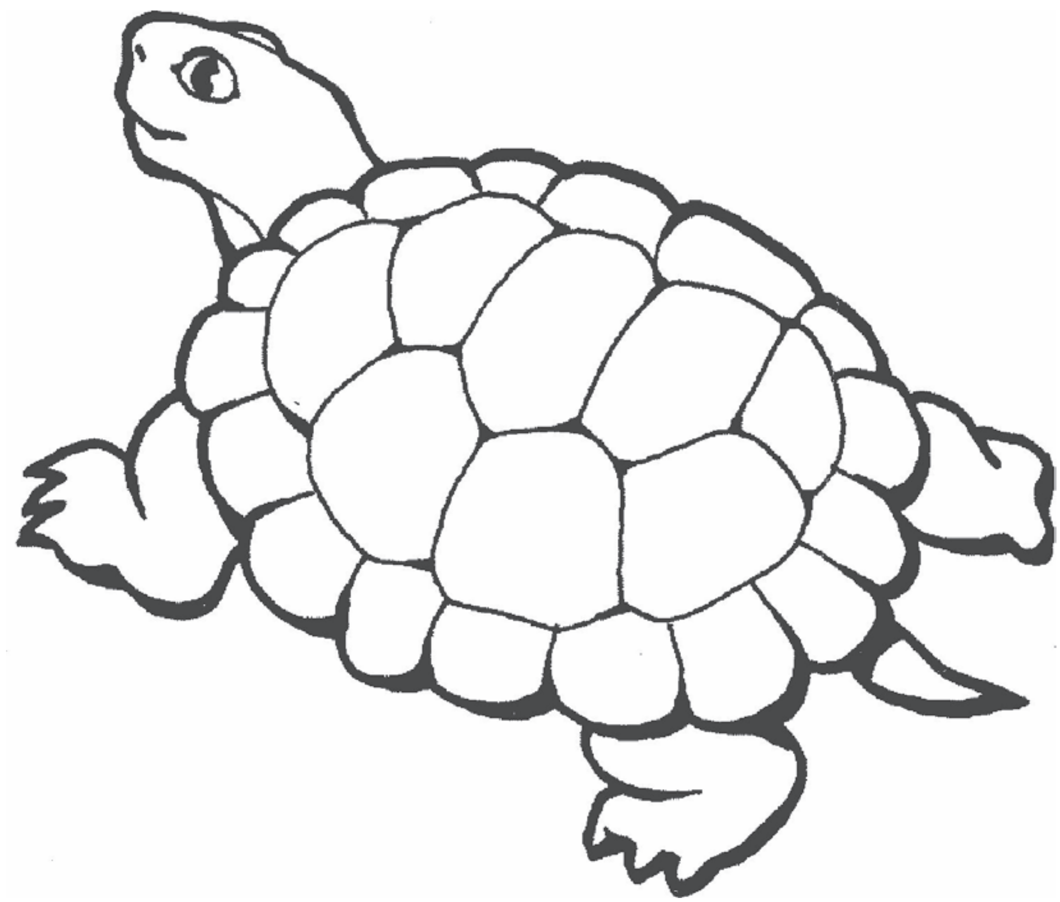

3 अनोखा ढंग

नोआखली की घटना है। गाँधी जी शांति का **प्रसार** करने के लिए पैदल यात्रा कर रहे थे। वे सुबह-सुबह एक गाँव से निकलते और सात बजते-बजते दूसरे गाँव में पहुँच जाते। वहाँ पहुँचकर पहले तो लिखने-लिखाने का काम पूरा करते, उसके बाद स्नान करते। स्नान करते समय पैर साफ़ करने के लिए वह एक खुरदरे पत्थर का उपयोग करते थे। वह पत्थर बरसों पहले मीरा बहन ने उन्हें दिया था। तब से बापू ने उसे बहुत सँभालकर रखा था।

वह जहाँ भी जाते, वह पत्थर उनके साथ ज़रूर जाता।

एक गाँव में गाँधी जी पहुँचे। उनके स्नान की व्यवस्था करते समय मनु बहन ने देखा कि पत्थर तो वहाँ है नहीं। बहुत ढूँढा, लेकिन नहीं मिला। उन्होंने बापू को पत्थर के खो जाने की बात बताई और कहा, "कल हम लोग जिस **जुलाहे** के घर ठहरे थे, वहीं रह गया होगा। अब क्या करूँ?" बापू ने कुछ देर तक सोचकर कहा, "तुम खुद वहाँ जाओ और पत्थर को ढूँढकर ले आओ। अकेली ही जाओ। एक बार परेशानी उठाओगी तो दूसरी बार नहीं भूलोगी।"

शब्दार्थः प्रसार–फैलाव, **जुलाहा**–कपड़ा बुनने वाला

मनु बहन ने पूछा, ''किसी स्वयंसेवक को साथ ले लूँ?''

बापू ने कहा, ''क्यों?''

मनु चुप रह गई। यह नहीं कह सकी कि अकेले जाते डर लगता है। बात यह है कि नोआखली में नारियल और सुपारी के जंगल थे। कोई भी रास्ता भूल सकता था। इसके अलावा मनु तब 15-16 साल की ही थी। अकेली कभी कहीं गई नहीं थी। लेकिन बापू के 'क्यों' का जवाब उससे देते नहीं बना।

जिस रास्ते से वे लोग आए थे उसी रास्ते पर चल पड़ी। पैरों के निशानों को देखती-खोजती, वह किसी-न-किसी तरह अगले गाँव में पहुँच ही गई। जुलाहे का घर भी मिल गया। उस घर में बुढ़िया रहती थी। उसने मनु को देखते ही पहचान लिया कि वह वही लड़की है जो बापू के साथ कल उसके घर में ठहरी थी। उसने बड़े स्नेह से मनु का स्वागत किया। एक तो बापू पर **खीझ**, दूसरे इतना लंबा पैदल सफ़र। मनु का बुरा हाल था। उसने बुढ़िया को अपने आने का कारण बताया। बुढ़िया बेचारी को क्या पता कि पत्थर का वह टुकड़ा इतना **अनमोल** है। उसने तो उसे कूड़े के साथ कहीं फेंक दिया था। दोनों मिलकर ढूँढने लगीं। भाग्य की बात, पत्थर मिल गया। मनु की खुशी का ठिकाना न रहा। सुबह साढ़े सात बजे मनु घर से निकली थी। लौटी तो एक बज चुका था। पंद्रह मील चलना पड़ा था। थककर चूर हो गई थी। भूख भी बड़े ज़ोरों से लगी थी। वह सीधे बापू के पास पहुँची और उनकी गोद में वह पत्थर डालकर रो पड़ी।

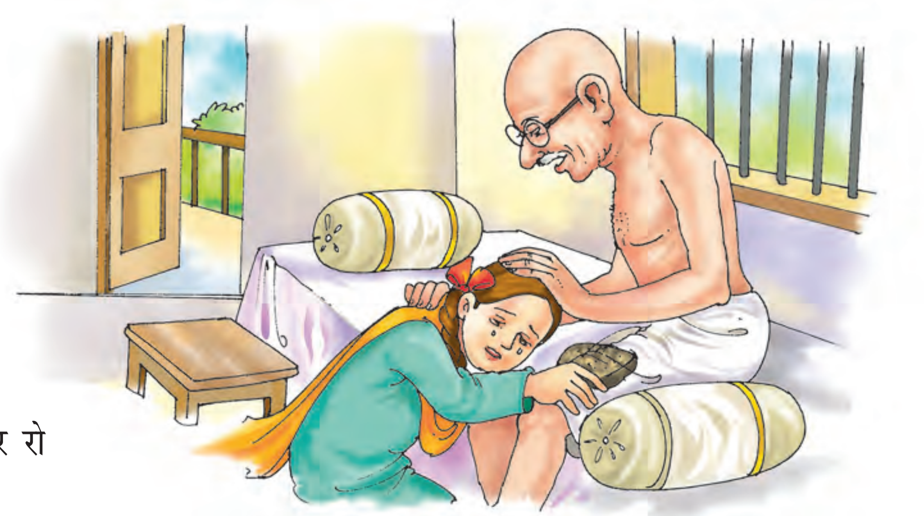

बापू ने प्यार से कहा, ''इस पत्थर के बहाने आज तेरी खूब परीक्षा हुई। जानती है, यह पत्थर पच्चीस साल से मेरा साथी है। जेल में रहूँ या महल में, यह सदा मेरे साथ रहता है। ऐसे पत्थर और मिल सकते हैं, लेकिन लापरवाही उचित नहीं है। मैं तुझे यही सिखाना चाहता था।''

मनु ने कहा, ''बापू, अगर मैंने कभी भगवान का नाम सच्चे दिल से लिया, तो आज।''

बापू ने कहा, ''मैं स्त्रियों को निडर बनाना चाहता हूँ। केवल तुम नहीं, आज मैं भी **कसौटी** पर कसा गया।'' मनु ने कुछ कहा तो नहीं, लेकिन मन-ही-मन ज़रूर कबूल किया होगा कि सीख देने का बापू का ढंग बिलकुल अनोखा था।

—उमाशंकर जोशी

शब्दार्थः खीझ—झुंझलाहट, **अनमोल**—अमूल्य, **कसौटी**—परीक्षा, परख

अभ्यास

कहानी में से

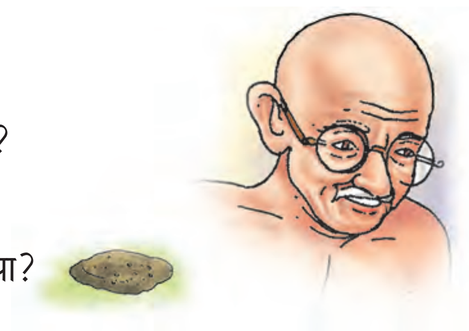

1. गाँधी जी पैदल यात्रा क्यों कर रहे थे?
2. गाँधी जी खुरदरे पत्थर का उपयोग किसके लिए करते थे?
3. गाँधी जी ने मनु को पत्थर खोजने के लिए कहाँ भेजा?
4. मनु ने जुलाहे के घर तक पहुँचने का क्या तरीका अपनाया?
5. **कहानी के आधार पर सही उत्तर चुनिए–**

   (क) गाँधी जी गाँव पहुँचकर सबसे पहले क्या करते थे?

   - ☐ स्नान करते थे।
   - ☐ लिखने-लिखाने का काम करते थे।
   - ☐ भोजन करते थे।

   (ख) स्वयंसेवक कौन होता है?

   - ☐ जो स्वयं की सेवा करता है।
   - ☐ जो सेवकों की सेवा करता है।
   - ☐ जो दूसरों की सेवा के लिए स्वयं तैयार रहता है।

   (ग) मनु गाँव कैसे पहुँच गई?

   - ☐ लोगों से पता पूछते हुए।
   - ☐ पैरों के निशान देखते-खोजते।
   - ☐ उसे गाँव का रास्ता याद था।

बातचीत के लिए

1. गाँधी जी को किन-किन नामों से पुकारा जाता है?
2. उपहार हमें क्यों अच्छे लगते हैं?
3. मनु वापस आकर क्यों रो पड़ी?
4. किसी अनजान जगह से वापस घर आने के लिए आप किन-किन बातों व रास्ते में आने वाली किन-किन चीज़ों को ध्यान में रखेंगे? जैसे–कोई पोस्टर, बोर्ड, दुकान, अस्पताल, स्कूल आदि।

आपकी कल्पना

1. इतनी दूर जाने के बाद भी मनु को पत्थर न मिलता तो क्या होता?
2. बापू ने अगर किसी को मनु के साथ भेज दिया होता तो क्या वह इतनी परेशान होती? क्यों?
3. अगर मनु रास्ता भटक जाती तो?

आपकी बात

गाँधी जी को अपने खुरदरे पत्थर से बहुत लगाव था। आप अपनी किन्हीं चार चीज़ों के बारे में लिखिए जो आपके किसी प्रिय व्यक्ति ने आपको दी हों और आपने उन्हें सँभालकर रखा हो–

क्र. सं.	चीज़ का नाम	देने वाले व्यक्ति का नाम	सँभालकर रखने का कारण
(क)	....	....	....
(ख)	....	....	....
(ग)	....	....	....
(घ)	....	....	....

भाषा की बात

1. दिए गए शब्दों के अन्य नाम चुनकर लिखिए–

(क) स्कूल – ....

(ख) वन – ....

(ग) पिता – ....

(घ) रात – ....

अरण्य	जनक
विद्यालय	निशा
बापू	कानन
पाठशाला	रजनी

2. **दिए गए जोड़े वाले शब्दों से वाक्य बनाइए–**

(क) सुबह-सुबह ....

(ख) बजते-बजते ....

(ग) लिखने-लिखाने..

जीवन मूल्य

1. **ये गाँधी जी के तीन बंदर हैं। इनके चित्रों को देखकर बताइए कि ये हमें क्या संदेश दे रहे हैं।**

....

....

2. **बुरी बातों से हम कैसे बच सकते हैं?**

....

....

....

....

....

कुछ करने के लिए

गाँधी जी से जुड़ी किन्हीं तीन चीज़ों के चित्र बनाकर उनके नाम लिखिए–

4 मित्रता

सुंदर वन में आम का एक पुराना पेड़ था। उस पेड़ पर सलोनी कोयल का एक घोंसला था। जब आम के पेड़ पर फल लगते तो सलोनी मीठे स्वर में गाती। आमों की **सुगंध** और सलोनी के गीतों से दूर-दूर से पक्षी खिंचे चले आते थे। सभी पक्षियों के साथ सलोनी की **मित्रता** थी। आम के पेड़ के आस-पास हरी घास और झाड़ियाँ थीं। एक हिरन वहाँ घास चरने आता था। उसका नाम हीरक था। सलोनी उसे मीठे-मीठे आम देती। हीरक हिरन भी उसे अपनी पीठ पर बिठाकर सुंदर वन में घुमाता। एक बूढ़ी लोमड़ी भी वहाँ आती थी। एक दिन लोमड़ी ने घास चरते हुए हीरक हिरन को देखा। हिरन को देखते ही उसके

शब्दार्थः सुगंध–खुशबू, **मित्रता**–दोस्ती

मुँह में पानी आ गया। सलोनी समझ गई कि कुछ गड़बड़ है। उसने हीरक को लोमड़ी से **सतर्क** रहने की सलाह दी। हीरक स्वयं भी लोमड़ी से सतर्क रहता था।

एक दिन लोमड़ी ने हीरक से कहा, ''मुझे हरी घास के एक मैदान का पता है। मैं वहाँ जाती हूँ, तुम भी मेरे साथ चला करो।'' ''नहीं, नहीं!'' हीरक ने घबराते हुए कहा। ''मुझसे डरते हो? मैं बूढ़ी हो गई हूँ, मेरे दाँत माँस नहीं चबा सकते। इसलिए घास-फूस ही खाती हूँ।'' लोमड़ी ने हीरक को समझाने की कोशिश की। हीरक को लोमड़ी पर विश्वास हो गया। वह लोमड़ी के साथ हरी घास के मैदान तक जाता और खूब मज़े से घास खाता।

सलोनी ने हीरक और लोमड़ी की मित्रता देखी तो समझ गई कि हीरक के बुरे दिन आने वाले हैं। सलोनी ने हीरक को बहुत समझाया। हीरक की समझ में सलोनी की एक भी बात नहीं आई।

एक दिन सुंदर वन में शिकारी आए। शिकारी जाल बिछाकर पशुओं को पकड़ते थे। शिकारियों ने घास के मैदान में जाल बिछा दिया। लोमड़ी ने उन्हें जाल बिछाते देख लिया। उसने सोचा यदि हीरक इस जाल में फँस गया तो उसे उसका माँस खाने को मिलेगा। लोमड़ी हीरक को जाल में फँसाने की योजना बनाने लगी।

लोमड़ी आम के पेड़ के पास गई और हीरक को बहला-फुसलाकर वहाँ ले आई जहाँ जाल बिछा हुआ था। वहाँ पहुँचते ही हीरक जाल में फँस गया। उसे लोमड़ी की मित्रता पर भरोसा था। उसने लोमड़ी से जाल काटने को कहा। ''मेरे दाँत टूट गए हैं,'' लोमड़ी ने बहाना बनाया। फिर उसने जैसे ही हीरक पर हमला करना चाहा वैसे ही कई कोयलें लोमड़ी पर टूट पड़ीं। उन्होंने अपनी चोंच से वार करके उसे बुरी तरह घायल कर दिया। लोमड़ी वहाँ से जान बचाकर भाग गई।

शब्दार्थ: सतर्क–सावधान

दरअसल, सलोनी ने सब कुछ देख लिया था। वही सभी कोयलों को बुला लाई थी।

अब समस्या थी—हीरक को जाल से बाहर कैसे निकालें? सलोनी को एक उपाय सूझा। उसने हीरक से कहा, ''जब मैं सुबह गाऊँ तो आँख बंद करके पेट फुलाकर भूमि पर लेट जाना। शिकारी तुम्हें मरा हुआ समझकर जाल उठा लेंगे। जाल उठाते ही तुम भाग जाना।''

सुबह हुई। हीरक को जाल में फँसा देखकर शिकारी बहुत प्रसन्न हुए। कोयल ने गीत गाया और सब कुछ वैसे ही हुआ जैसे कोयल ने सोचा था। हीरक जाल से मुक्त हो गया। उसे बहुत पछतावा हुआ कि उसने सलोनी की बात नहीं मानी थी। वह बोला, ''मित्र! तुम्हारे बार-बार **चेतावनी** देने पर भी मैं लोमड़ी की **धूर्तता** को नहीं समझा। मुझे माफ़ कर दो। तुमने सच्चे मित्र की तरह मित्रता निभाई है।'' सलोनी फिर अपनी मधुर आवाज़ में कूकने लगी।

शब्दार्थः चेतावनी—सावधान होने की सूचना, **धूर्तता**—चालाकी

अभ्यास

कहानी में से

1. सलोनी कहाँ रहती थी?
2. हीरक हिरन घास चरने कहाँ आता था?
3. लोमड़ी ने हिरन को अपने साथ चलने के लिए क्यों कहा?
4. सलोनी कोयल ने हीरक हिरन को जाल से आज़ाद होने की क्या तरकीब बताई?
5. **कहानी में घटनाएँ जिस क्रम से घटीं, उन्हें वही क्रमांक दीजिए–**
   - शिकारियों ने घास के मैदान में जाल बिछाया। ☐
   - लोमड़ी और हीरक की दोस्ती हो गई। ☐
   - सलोनी की सहेलियों ने लोमड़ी को घायल कर दिया। ☐
   - हीरक जाल में फँस गया। ☐
   - सलोनी की होशियारी से हीरक जाल से मुक्त हो गया। ☐
   - लोमड़ी हीरक को घास के मैदान तक ले गई। ☐

बातचीत के लिए

1. सलोनी हीरक और लोमड़ी की मित्रता से खुश क्यों नहीं थी?
2. अगर सलोनी चुहिया होती तो हीरक को कैसे बचाती?
3. लोमड़ी ने हीरक का विश्वास जीतने के लिए क्या किया?
4. आपको अपने दोस्तों की किन बातों पर विश्वास है और क्यों?

ज़रा सोचिए

1. **कौन-कौन से पक्षी अपना घोंसला बनाते हैं? सही (✓) का निशान लगाइए–**

कोयल ☐	चिड़िया ☐	कौवा ☐
उल्लू ☐	कबूतर ☐	तोता ☐

आपकी बात

1. लोमड़ी हीरक को जाल में फँसाने की योजना बनाने लगी।
   - आपके किसी मित्र ने कभी झूठ बोलकर आपको फँसाया है?
2. "मुझसे डरते हो?" लोमड़ी ने हिरन से कहा।
   - आप किस-किस से डरते हैं? और क्यों?

आपकी सलाह

दिए गए कामों को करने के लिए आप जो सलाह देंगे, उसे लिखिए–

क्र सं.	काम	सलाह
(क)	सड़क पार करना	....
(ख)	होली खेलना	....
(ग)	पतंग उड़ाना	....

भाषा की बात

1. दिए गए शब्दों के उलटे शब्द चुनकर लिखिए–

(क) बुरा – ....

(ख) सुगंध – ....

(ग) पुराना – ....

(घ) प्रसन्न – ....

नया, दुर्गंध
अप्रसन्न, अच्छा

2. पाठ में आए कोई चार संज्ञा तथा सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

संज्ञा		सर्वनाम	
....	....	....	....
....	....	....	....

3. **चित्रों को ध्यान से देखिए तथा वाक्य में बताइए–**

(क) बिल्ली का रंग कैसा है?

....

....

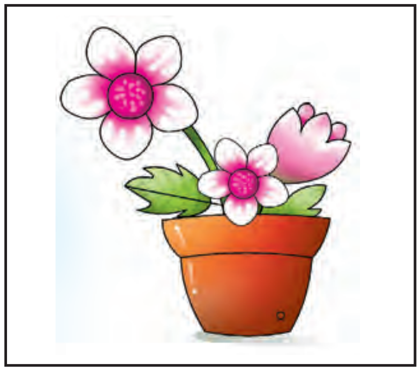

(ख) गमले में कितने फूल हैं?

....

....

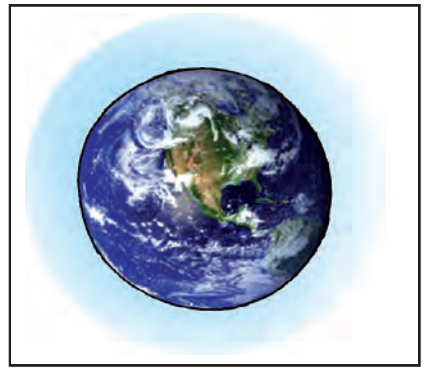

(ग) पृथ्वी का आकार कैसा है?

....

....

अब इन वाक्यों में विशेषता बताने वाले शब्दों पर घेरा लगाइए।

4. **'जंगल' शब्द सुनते ही आपके मन में उससे संबंधित कई शब्द आते होंगे। उन्हें दी गई जगह पर लिखिए। फिर देखिए कि ऐसे कौन-से शब्द हैं जो कक्षा के सभी बच्चों ने लिखे हैं।**

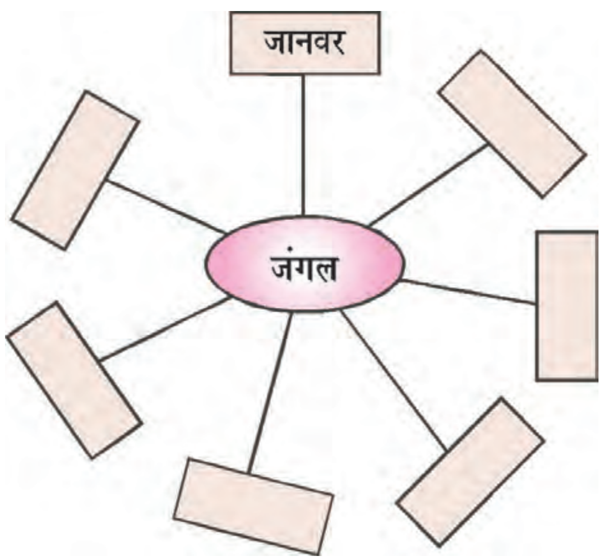

जीवन मूल्य

सलोनी और हीरक सच्चे मित्र थे।

- सच्चे मित्र में कौन-कौन से गुण होते हैं?
- आप अपनी मित्रता कैसे निभाते हैं?

कुछ करने के लिए

मान लीजिए, सलोनी की साथी कोयलें नहीं आतीं तो क्या होता? आगे की कहानी लिखिए–